श्री नवाबसिंह चौहान : स्टेटमेन्ट के पैरा २ में कहा गया है कि पाकिस्तान ऑथारिटीज ने हताहतों की कुल संख्या २ हिन्दू और २ मुसलिम बतायी है जब कि हमारे हाई कमिशन की तरफ से हताहतों की संख्या लगभग ५०० के बतलायी गई है । आपने पहला जो नोट भेजा जिसका जवाब मिला या सरकार ने उसके बाद इस बात के ऊपर फिर प्रकाश डालने के लिये पाकिस्तान सरकार को लिखा कि यह फर्क क्यों है ? अगर दोबारा इस बारे में लिखा गया तो उसका क्या जवाब मिला ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जो हमारे डिपुटी हाई कमिश्नर ने लिखा वह एक अंदाजा उनका था । जाहिर है, कोई वे जांच पड़ताल पक्की तौर से नहीं कर सकते थे । लेकिन कुछ बातें देख कर के जो उन्होंने अंदाजा किया, वह उन्होंने लिखा । उसमें भी यह याद रखने की बात है, जो उन्होंने नम्बर दिया था उसमें वे लोग भी हैं जो मिसिंग कहलाते हैं, यानी जो वहां नहीं थे, जो इधर उधर गांवों में चले जाते हैं और फिर वापिस आ जाते हैं । कुछ लोग उनमें से भारत आ गए थे, कलकत्ते में आ गए थे । तो यह सब एक अंदाजे की बात थी । लेकिन जो उन्होंने कहा और जो पाकिस्तान ने कहा उसमें ज़मीन आसमान का फ़र्क है । वे कहते हैं तो, तीन, चार आदमियों को जरा चोट लग गई और इधर हमारे डिपुटी हाई कमिश्नर ने लिखा था कि कैजुअलिटिज ५०० हैं । इस पर पाकिस्तान गवर्नमेंट से कुछ खतोकिताबत हुई जरूर । लेकिन कुछ ज्यादा उनके ऊपर असर नहीं हुआ इसका ।

श्री नवाबसिंह चौहान : जैसा कि भारत सरकार ने अपने नोट में पाकिस्तान सरकार को लिखा है कि उन लोगों को पुनर्स्थापित करने के लिये, रीहैबिलिटेट करने के लिये, कोशिश की जाय और उनको हर तरीके की मदद की जाय, तो क्या उस सम्बन्ध में भारत सरकार को कोई सूचना इस बात की प्राप्त हुई है कि पाकिस्तान सरकार कोई कदम उठा रही है उन लोगों की पुनर्स्थापना के लिये जिनको नुकसान हुआ है या जिनके घर जला दिए गए हैं ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी नहीं, हमें कुछ ठीक मालूम नहीं । अलावा इसके जब पाकिस्तान की सरकार कहती है कि दो ही चार आदमियों पर असर हुआ है तब पुनर्स्थापना का सवाल उठता नहीं है उनकी निगाहों में ।

ऑल इंडिया रेडियो पर अल्पमत प्रोग्राम

*१९. **श्रीमती शान्ति देवी** : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऑल इंडिया रेडियो के प्रोग्राम में क्या देहाती प्रोग्राम को अल्पमत-प्रोग्राम कहा जाता है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो, तो इसका कारण क्या है; और

(ग) यह विशेष प्रोग्राम देश की कितनी प्रतिशत जनता के लिये प्रसारित किया जाता है और बहुमत-प्रोग्राम तथा अल्पमत प्रोग्राम के लिये दिये हुये समय का अनुपात क्या है ?

t [MINORITY PROGRAMME OVER A.I.R.

*19. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the rural programme of the All India Radio is called a minority programme;

(b) if the answer to part (a) abov« be in the affirmative. what is the reason therefor; and

tt] English translation.

(c) what is the percentage of the 1 people of the country for whom this particular programme is broadcast and what is the ratio between, the time allotted for majority programme and the time allotted for the minority programme?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० वी० केसकर) : (क) और (ख) जी, नहीं। इसे विशेष श्रोताओं का कार्यक्रम कहते हैं।

(ग) जिन सुनने वालों के पास रेडियो सेट हैं उन में से १२ प्रतिशत गांवों में हैं और देहाती कार्यक्रम खासकर उन्हीं के लिये होता है। ब्रोडकास्टिंग के कुल समय का ११ फ़ीसदी देहाती कार्यक्रम के लिये दिया जाता है। लेकिन आकाशवाणी का साधारण कार्यक्रम देहाती सुनने वालों के लिये होता है क्योंकि आकाशवाणी आम तौर पर गांव और शहर के बीच में कोई ऊंची दीवार खड़ी करना नहीं चाहता।

HTHE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (DR. B. V. KESKAR): (a) and (b) No, Sir. It is called a special audience programme.

(c) About 12% of the total number of listeners owning radio sets are in villages for whom the rural programme is particularly meant Nearly 11% of the total period of broadcasts is devoted to the rural programmes. But the general programme of All India Radio is also meant to be heard by interested rural listeners as All India Radio does not wish to create watertight compartment between villages and the cities.]

इंग्लैंड में डाक्टर मीनाक्षी अंकोला की मृत्यु

*२०. श्रीमती शांति देवी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जून, १९६१ में इंग्लैंड में डाक्टर मीनाक्षी अंकोला को मृत अवस्था में पाया गया था; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो, तो घटना का विवरण क्या है और क्या उनकी मृत्यु के कारण का पता लगाया जा चुका है ?

t [DEATH OF DR. MEENAKSHI ANKOLA IN ENGLAND

•20. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Dr. Meenakshi Ankola was found dead in England in June, 1961; and

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what are the details of the incident and whether the cause of her death has since been ascertained?]

THB DEPUTY MINISTER OF EXTERNAL AFFAmS (SHRIMATI LAKSHMI MJCNON): (a) Yes.

(b) Dr. Meenakshi Ankola was found dead in her bed at Sheppey, Kent. According to the local police, the death was due to an over does of barbiturate. There Was no suspicion of foul play, but the Coroner gave an open verdict at the inquest on her death owing to the lack of positive evidence of the drug having been self administered.

‡[वैदेशिक कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी एन० मेनन) : (क) जी हां।

(ख) डाक्टर मीनाक्षी अंकोला शेपे, केन्ट में अपने बिस्तर पर मरी हुई पाई गई थीं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, उनकी मृत्यु बारबीट्यूरेट की अधिक मात्रा लेने के कारण हुई। यह संदेह नहीं किया गया कि यह औषध उन्हें धोखे से खिलाई गई लेकिन जब उनकी मृत्यु की जांच की गई तो इस बात का पक्का सबूत नहीं मिला कि उन्होंने उक्त औषध स्वयं खाई थी ; इस कारण मृत्यु की जांच करने वाले अधिकारी (कोरोनर)

t[ ] Knglisk translation.

t[ ] English translation.